मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

अगस्त – 2018

वर्ष 6, अंक 11, पृ.सं. 20

प्रिंसिपल मैडम के कक्ष में टीचर-पेरेन्ट मीटिंग

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
रु. 15000 /- 200 बच्चे, रु. 30,000/- 400 बच्चे, रु. 1,50,000/- 2000 बच्चे

उपरोक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल हैं।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुल सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

फोटोग्राफी
अरविन्द शर्मा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : टीचर-पेरेन्ट मीटिंग	04
लेख 2 : एक एहसास... किसी के होने का	05
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में विधवाओं के बच्चों की टीचर-पेरेन्ट मीटिंग	06-08
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के विधवाओं के बच्चों की घर पर क्रिया-कलाप	09-10
तारा नेत्रालय / हमारे भामाशाह	11
गौरी योजना / तृप्ति योजना	12
आनन्द वृद्धाश्रम में आए नए वृद्धों की जीवनीयाँ	13
तारा संस्थान योजनाएँ	14-15
न्यूज ब्रीफ / विनम्र अपील	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

टीचर-पेरेंट मीटिंग

आजकल की शिक्षा व्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण अंग है टीचर–पेरेंट मीटिंग यानी कि माता–पिता का बच्चों के टीचर से मिलना आमतौर पर ये परीक्षाओं के बाद होती है जिसमें बच्चों के रिजल्ट व कॉपियाँ दिखाने के साथ शिक्षक बच्चों के माता–पिता से मिलते हैं और उनकी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षर भार्गव पब्लिक स्कूल में भी एक पैरेंट टीचर मीटिंग आयोजित की गई लेकिन ये थोड़ी अलग थी इसमें उन विधवा महिलाओं को बुलाया जिनके बच्चे इस स्कूल में निःशुल्क पढ़ रहे हैं। इस मीटिंग का मकसद था कि बच्चों की जिन्दगी में शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के होने से क्या बदलाव आया है जिससे कि हम यह Evaluate कर सकें कि स्कूल के तौर पर हमें क्या बेहतर करना चाहिए।

माता–पिता की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो वे अपने बच्चों को अच्छी–से–अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं सोच यही होती है कि हमारा बच्चा वो तकलीफें ना देखे जो हमने देखी हैं लेकिन ये जो विधवा महिलाएँ या बच्चियाँ हैं (क्योंकि इनमें अधिकतर की उम्र बहुत ही कम है) उनकी तकलीफों का आप और हम अंदाज भी नहीं लगा सकते हैं। कम उम्र में इनकी शादियाँ हो गई और बच्चे भी हो गए, घर से कभी निकली नहीं, कमाने वाला पति ही था और वो अचानक चल बसा। जमा पूंजी या तो थी नहीं और अगर थी तो पति की बीमारी या मौत के बाद के क्रियाकर्म में खर्च हो गई। पति नहीं है तो ये छोटी–छोटी लड़कियाँ अपने बच्चों को कैसे पालें? समाज और जाति की रूढ़ियाँ ऐसी कि दूसरी शादी की सोच भी नहीं सकती, ये हमारे यहाँ की विडम्बना है कि एक ओर समाज का वो वर्ग है जो हर तरह से समर्थ है उनपर समाज की जाति की, धर्म की कोई रूढ़ियाँ नहीं हैं वे जब चाहें जो कर सकते हैं धर्म और जाति के ठेकेदार भी उनपर कोई बंदिश नहीं लगाते और दूसरी तरफ ये 20–22 साल की विधवा लड़कियाँ पूरी जिन्दगी अपनी सारी इच्छाओं उन बच्चों पर न्योछावर कर देती है जो बाद में ये समझेंगे भी कि नहीं कि मेरी माँ ने मेरे लिए क्या किया। ये वो लड़कियाँ हैं जो इतना दुःख अपने में समेटे है कि जरा सा कुरेदने पर रो पड़ती हैं। ऐसी लड़कियाँ के लिए शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल एक उम्मीद है जहाँ वो अपने बच्चों को पूरी तरह निःशुल्क पढ़ा सकती है, ऐसा स्कूल जहाँ किताबें बस्ता सब मिलता है और स्कूल में आना जाना भी निःशुल्क।

ये सब माँएँ जब बच्चों के साथ स्कूल आईं तो उनकी एक ही सोच थी कि मेरे बच्चे कुछ बन जाए उनसे जब पूछा गया कि इस स्कूल का क्या महत्त्व है तो लगभग सबका एक ही जवाब था कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है बच्चे नृत्य, नाटक, व्यायाम, कविता सबमें हिस्सा लेने से काफी एक्टिव हुए हैं। कुछ माँओं ने तो बताया कि अड़ोस–पड़ोस के समर्थ बच्चों के कारण थोड़ी हीन भावना उनके बच्चों में थी वो चली गई उनमें कॉन्फिडेंस आ गया है। अब वे मुहल्ले में समाज में भी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। सभी बहुत खुश थी कि बच्चों की नींव सही हो रही है।

अभी शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल 8वीं तक ही है और हम प्रयास करेंगे कि इसे आगे क्रमोन्नत करते रहें लेकिन जो भी प्रयास अभी हो रहा है वो संतोषजनक है और अपने स्कूल से निकला बच्चा आगे किसी भी स्कूल में जाए अपनी पहचान बनाएगा ही। मैं विशेषतौर पर आदरणीय एन.पी. भार्गव सा. को धन्यवाद दूँगी जिनके कारण यह स्कूल संभव हो पाया, जिन्होंने इस स्कूल की सोच दी और चलाने में सहयोग भी। आप सब दानदाता जो भी इस काम में अपनी मदद दे रहे हैं वो भी हमारे देश की बुनियाद मजबूत कर रहे हैं।

आदर सहित...

कल्पना गोयल

एक एहसास... किसी के होने का

जून, 2018 में तारा संस्थान को सक्रिय रूप से काम करते हुए 7 साल हो गए हैं। जब ये यात्रा शुरू हुई थी तो नहीं मालूम था कि किस ओर जाना है बस एक निःशुल्क आँखों का अस्पताल खोलना है, ये सोचा था। कहते हैं ना कि आवश्यकता अविष्कार की जननी है कोई आविष्कार तो नहीं किया लेकिन आँखों का अस्पताल खुला और आई कैम्प लगे तो उनमें कुछ असहाय बुजुर्ग आए तो वृद्धाश्रम की सोच ने जन्म लिया और फिर अगले कुछ माह में खुल भी गया, फिर तृप्ति, गौरी, शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल ये सब भी हो गए। सात सालों में तारा संस्थान 4 आँखों के निःशुल्क अस्पताल (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद), तीन वृद्धाश्रम (उदयपुर, इलाहाबाद, फरीदाबाद) एक स्कूल व कुछ अन्य योजनाएँ चला रही हैं तो इसके मायने क्या हैं?मेरी नज़र में इसका सबसे बड़ा मायना है कि ऐसे हजारों लोग जो तारा के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं या हुए हैं उनके मन में विश्वास है कि कोई है उनके लिए। जब कोई लाचार बुजुर्ग अपनी आँखों की रोशनी खोने के डर से परेशान हो तो बिना शंका के तारा आ जाता है। वृद्धाश्रम तो अकेले बुजुर्गों के लिए ताकत बन गया है जहाँ वे निश्चिंतता से पूरे हक के साथ रह रहे हैं। शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में इस साल 50 बच्चों का एडमिशन हुआ, ऐसी माताएँ जिनके पति नहीं रहे और आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं तो उनका ये सपना कि बच्चा पैसे के अभाव में अच्छी शिक्षा में वंचित न रह जाए, इस स्कूल के कारण पूरा हुआ। जब आदिवासी क्षेत्रों में कैम्प लगता है तो बहुत से बुजुर्ग ऐसे आते हैं जिनका ऑपरेशन न होता तो थोड़े से समय में आँख चली जाती, ये कैम्प उनके लिए संजीवनी का काम कर रहे हैं। तृप्ति योजना नाम से ही तृप्त करने वाली है इसके कारण लाचार बुजुर्ग जो गाँव में हैं और वृद्धाश्रम नहीं आना चाहते, अपने घर में ही खुश हैं कि अब उनको जीवन पर्यंत घर पर मासिक राशन मिलेगा।

मेरा दृढ़ मानना है कि ईश्वर चाहता था तभी ये सब काम होते चले गए लेकिन उसने आप सब को भी चुना और तारा से जोड़ा तभी ये सब काम शुरू हुए और लगातार हो रहे हैं। कोई कितना भी बड़ा और अच्छा सोचे लेकिन उस सोच को अमल में लाने के लिए धन तो चाहिए ही और आप सब हैं तो हमें भी ये एहसास है कि हमारे साथ कोई है तभी तो हम कोई भी नया कदम उठा लेते हैं बिना ये सोचे कि उस काम को चलाने की व्यवस्था कैसे होगी लेकिन वो काम होता है और चलता भी है।

तारा संस्थान के संचालन में जितने लोग जुड़े हैं मैं, कल्पना जी और हमारे सभी साथी आप सबको धन्यवाद देते हैं कि आप सब हमारे साथ हैं यह एहसास हमारी ऊर्जा का स्रोत है।

आदर सहित...

दीपेश मित्तल

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में विधवाओं के बच्चों की टीचर-पेरेन्ट मीटिंग - 1

(ऊपर चित्र में विधवाएँ अपने बच्चों के साथ टीचर्स से मीटिंग के इंतजार में) शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले विधवाओं के बच्चों का समय–समय पर Assessment तथा Counseling किया जाता जिसमें बच्चों की माँ, क्लास टीचर तथा प्रिंसिपल भाग लेकर बच्चों की विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान पर विचार विमर्श करते हैं। इस मीटिंग का मकसद था कि बच्चों की जिन्दगी में शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के होने से क्या बदलाव आया है जिससे कि हम यह Evaluate कर सकें कि स्कूल के तौर पर हमें क्या बेहतर करना चाहिए।

क्लास टीचर श्रीमती स्वाती सोमानी विधवा गंगा लौहार (बीच में) के दो बच्चों (बाएं) देवांशी एवं दिनेश की कमजोरी पर समाधान सुझाते हुए। हालांकि देवांशी की ग्रास्पिंग अच्छी है पर उसकी रीडिंग कमजोर है जबकि दिनेश की भी ग्रास्पिंक अच्छी है मगर वह होमवर्क समय पर नहीं करता है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में विधवाओं के बच्चों की टीचर-पेरेन्ट मीटिंग - 2

टीचर श्रीमती रेनुका शर्मा (बाएं) प्रिंसिपल मैडम श्रीमती सोनाली सोलंकी, टीचर श्रीमती सोनल शक्तावत, विधवा माँ चम्पा देवी (बीच में) के तीन बच्चों के परफोरमेंस पर विचार करते हुए। किसी बच्चे को इंग्लिश की समस्या, किसी को होमवर्क आदि का समाधान सुझाया गया।

मंजू सालवी की तीनों बच्चियाँ पढ़ाई में होशियार है मगर इंग्लिश और अन्य कार्यकलापों में कमजोर है ऐसा क्लास टीचर श्रीमती चित्रा माथुर मैडम ने बताया। इस हेतु उन्होंने घर पर और अधिक मेहनत करने का सुझाव दिया।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में विधवाओं के बच्चों की टीचर-पेरेन्ट मीटिंग - 3

कक्षा टीचर चित्रा माथुर (बाएं) ने ललिता कुंवर (दाएं से पहले) के बच्चों की तारीफ की परन्तु लक्ष्मण की शरारती पर नाराजगी थी। हालांकि इस बात पर भी खुशी जाहिर की कि वह दोनों पढ़ाई में होशियार हैं एवं होमवर्क आदि समय पर कर लाते हैं।

शांता देवी की बच्ची मोनिका को पढ़ाई में थोड़ी दिक्कत है कारण घर का वातावरण पढ़ाई हेतु उपयुक्त नहीं है। लेकिन कान्ता ठीक पढ़ाई कर रही है। कक्षा टीचर सोनल मैडम ने शांता देवी का सलाह दी कि घर में पढ़ाई हेतु सही वातावरण बनाए रखें।

सब रोगों की एक दवाई हँसना सीखो मेरे भाई।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के विधवाओं के बच्चों की घर पर क्रिया-कलाप - 1

ललिता कुंवर को अपने दोनों बच्चों के भविष्य की बड़ी चिन्ता रहती है जब तक कि पढ़ाई पूरी न हो जाए। इसलिए देर रात में लगे ललिता कुंवर के बच्चे पढ़ते है एवं वह स्वयं भी जगती रहती है।

ललिता कुंवर ये सुनिश्चित करती है कि बच्चे समय पर भोजन नाश्ता आदि करते रहे ताकि उनमें स्फूर्ति व ताकत बनी रहे एवं वे स्कूल में अच्छा परफॉर्म कर सकें।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के विधवाओं के बच्चों की घर पर क्रिया-कलाप - 2

3 बच्चों की विधवा माँ निर्मला कुंवर की एक छोटी बच्ची शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में 6वीं में पढ़ती है। अर्चना पढाई–लिखाई के साथ–साथ डाँस आदि में भी प्रवीण है। लेकिन उसकी अंग्रेजी थोड़ी कमजोर है सो घर पर वह अपनी माँ के साथ बैठकर देर रात में अभ्यास करती हुई।

अब बहुत देर रात हो चुकी, अर्चना पढ़ते–पढ़ते ही सो गई है। माँ ने हल्के से चादर ओढ़ाकर उसे आराम से सोने दिया ताकि सुबह समय पर उठ सके।

तारा नेत्रालय :

श्री लाल सिंह : तारा संस्थान को आशीर्वाद

श्री लाल सिंह : मजदूरी और खेती बाड़ी करके जीवन–यापन करने वाले 70 वर्षीय लाल सिंह को पिछले कुछ महीनों से कम दिखाई दे रहा था। कहीं और डॉक्टर अथवा अस्पतालों के चक्कर लगाने की बजाय वह मित्रों की सलाह पर सीधे तारा नेत्रालय, उदयपुर चले आए। दो दिन में जाँच व ऑपरेशन हो गया तथा बेहतर दिखाई देने लगा। यहाँ उन्हें कोई पैसे देने की आवश्यकता नहीं पड़ी तथा ऑपरेशन बिलकुल मुफ्त किया गया। श्री लाल सिंह दानदाताओं को अनेक धन्यवाद एवं तारा संस्थान को आशीर्वाद देते हैं।

हमारे भामाशाह :

दानवीर श्री ओ.सी. जैन सा., रतलाम (मध्य प्रदेश)

रतलाम के रहने वाले **श्री ओ.सी. जैन सा.** एक शिक्षक रहे हैं और 43 वर्ष तक आपने अध्यापन का कार्य किया। श्री जैन सा. ने जयपुर के स्वामी आनन्दनन्द से योग शिक्षा प्राप्त की और वे अभी लगभग 80 वर्ष की आयु में भी योग और प्राकृतिक चिकित्सा सिखाते हैं। आपने इस क्षेत्र में 15000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित भी किया जो औरों को लाभ दे रहे हैं। इनमें से बहुत से विद्यार्थी ऐसे हैं जो खुद रोगी थे और बाद में ठीक होकर वो योग व प्राकृतिक चिकित्सक बने। आप अपने जीवन में जो भी बचत होती थी उससे थोड़ी–थोड़ी जमीन रतलाम में ही ले लेते थे। समय बीतता गया तो जमीन की कीमतें बढ़ने लगी लेकिन उन्होंने अपना सर्वस्व समाज को समर्पित कर दिया। रतलाम में लगभग 4 बीघा जमीन आपने जैन समाज को दी। जैन तीर्थ विकास के लिए, जिसका मूल्य करोड़ों रुपये में था, रतलाम में योग भवन बनवाने में आपने खुद भी योगदान दिया और बहुत से लोगों से दिलवाया भी। दानवीर श्री ओ.सी. जैन सा. समय–समय पर संस्थान की योजनाओं में मुक्तहस्त सहयोग करते रहते हैं। तारा संस्थान के निर्माणाधीन वृद्धाश्रम में दो हाल, एक कक्ष और भूमि के लिए भी सहयोग किया। ऐसे भामाशाहों को तारा संस्थान कोटिशः धन्यवाद अर्पित करता है।

प्रेरक, समाजसेवी एवं भामाशाह

श्री प्रेमसागर जी गुप्ता (78 वर्ष) का जन्म बहादुरशापुर – गुड़गाँव (हरियाणा) में 17 मई, 1938 को लाला श्री किशनदास जी एवं श्रीमती किशनदेवी के घर हुआ। समाजसेवा कार्यों में धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी एवं संपूर्ण परिवार की निरंतर सहभागिता रहती है। तारा संस्थान के प्रेरक एवं सहयोगी श्री प्रेमसागर जी गुप्ता समाजसेवा की जीती–जागती प्रेरणास्पद मिसाल है, पद पर रहते हुए भी एवं बैंक के प्रबंधक पद से सेवानिवृत्ति के बाद तो इन्होंने अपना संपूर्ण समय ही समाजसेवा में समर्पित कर दिया। तारा संस्थान सहित श्रीहरि सत्संग समिति, राजस्थानी सम्मेलन, महाराष्ट्र राज्य अग्रवाल सम्मेलन, मुम्बई अग्रवाल सामूहिक विवाह समिति, महालक्ष्मी मंदिर – नवीं मुम्बई, भारत–भारती सम्मेलन, अग्रोहा विकास ट्रस्ट आदि कई संस्थाओं से आपका जुड़ाव है।

गौरी योजना :

श्रीमती सूरजा कुमारी मीणा : अगली बार आर.ए.एस. मैंस में सफल रहूँगी

श्रीमती सूरजा कुमारी मीणा : 7 वर्षीय बेटे की जवान विधवा सूरजा कुमारी के पति का देहांत 2010 में एक दुर्घटनावश हो गया था। वह उस समय 12वीं कक्षा में पढ़ रहीं थी। भयंकर विपत्ति आन पड़ने पर भी उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने का दृढ़ सकल्प रखा। लेकिन न तो ससुराल से न ही पीहर से कोई सहारा या उत्साहवर्धन मिला क्योंकि वे स्वयं भी असमर्थ लोग थे। आखिर कुमार सूरजा ने एक हॉस्टल में रसोईयें की नौकरी करते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखी लेकिन कुछ समय पश्चात् उसे हॉस्टल में पढ़ाई में खलल सा होने लगा तो उसने एक कमरा किराए पर ले लिया और कठिन परिश्रम जारी रखा। अन्ततः वह आर.ए.एस. प्री में पास हो गई लेकिन मैंस में सफल न हो पाई। तारा संस्थान ने ऐसी कर्मठ एवं प्रतिभावान बालिका को पहचान कर उसे 1000 मासिक पेंशन जारी की जो कि सूरजा अपने राशन हेतु काम लेती है एवं इस प्रकार वह अपनी पढ़ाई पर निश्चित होकर ध्यान दे सकती है। उसका दृढ़ सकल्प है कि अगली बार आर.ए.एस. मैंस में सफल रहेगी। सूरजा मीणा तारा संस्थान व दानदाताओं की अत्यन्त आभारी है।

तृप्ति योजना :

श्रीमती देवी बाई : तारा संस्थान की मदद से मुझे बहुत आसरा मिला है

श्रीमती देवी बाई : 70 वर्षीया वृद्धा श्रीमती देवी बाई व उसके पति खेती–बाड़ी करके पेट पालते थे लेकिन लगभग 15 वर्ष पूर्व उनके पति की मृत्यु के बाद देवी बाई को मजदूरी पर आना पड़ा क्योंकि वह अकेली तो खेती नहीं कर सकती थी। अब वृद्धावस्था के कारण मजदूरी भी नहीं कर पाती है सो गुजारे के लिए स्कूल के पास एक टॉफी आदि की दुकान चलाकर जैसे–तैसे दो जून की रोटी स्वयं अपने हाथों से बनाकर खा लेती है। देवी बाई के एक शादीशुदा पुत्र है लेकिन वह अपनी पत्नी के रौब के मारे अपनी माँ की कोई मदद नहीं कर पाता, पत्नी से डरता है। ऑपरेशन के दौरान देवी बाई ने अपनी एक आँख खो दी, इसके अतिरिक्त चक्कर आने की बीमारी अलग से है। तारा संस्थान को जब उस वृद्धा की दयनिय स्थिति का पता चला तो फौरन मासिक राशन व 300 रु. उसके द्वार पहुँचाने शुरू कर दिए। देवी बाई कहती है कि तारा संस्थान की मदद से उन्हें बहुत आसरा मिला है एवं वह दानदाताओं को आशीर्वाद देते हुए उनकी तरक्की हेतु प्रार्थना करती है।

खूबसूरत लोग हमेशा अच्छे नहीं होते। अच्छे लोग हमेशा खुबसूरत होते हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम में आए नए वृद्धों की जीवनीयाँ

श्री हिम्मत राम : उदयपुर निवासी लगभग 61 वर्षीय हिम्मत राम का भरापूरा परिवार है। वह सिलाई का कार्य करते थे पर उम्र होने पर छूट गया। परिवार के साथ मन नहीं लगता जैसा कि आज कल के जमाने में बड़ी आम बात है। तो कहीं और रहने की आवश्यकता महसूस हुई। टी.वी. पर तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में देखा तो 2 महीने पहले यहाँ आकर प्रवेश ले लिया। यहाँ आकर सुखद आश्चर्य हुआ कि ऐसी अच्छा वृद्धाश्रम भी कहीं होता है क्या! यहाँ रति भर तकलीफ नहीं है। खाने–पीने से लेकर मनोरंजन तक ही सारी व्यवस्था है। किसी प्रकार की कभी नहीं है। वह और नए दोस्त मिलजुल मन बहलाते है एवं एक दूसरे की मदद करते हैं।

श्री ओमप्रकाश भाटी : उदयपुर के 62 वर्षीय श्री ओमप्रकाश जी फोटोग्राफी का कार्य करते थे मगर उम्र के इस पड़ाव पर अब संभव नहीं है। स्वयं अकेले एवं अविवाहित है। रिश्तेदार सिर्फ नाम के है कोई मदद नहीं करता। आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में वह पहले से जानते थे क्योंकि जब यह बन रहा था तब उनका आने–जाने का रास्ता यही हुआ करता था। इसके अतिरिक्त पेपर में भी पढ़ा था तो यहाँ सम्पर्क करके प्रवेश ले लिया। अत्यन्त प्रसन्न हैं।

श्री नाथूलाल लौहार : 90 वर्ष से ऊपर के नाथूलाल जी उदयपुर के ही रहवासी है। इसके सब घर–परिवार वालों की बहुत पहले ही मृत्यु हो चुकी है। अकेली जान एक सहारा ढूँढ़ रही थी कि एक पहचान वाले जो कि आनन्द वृद्धाश्रम में रह चुके थे, वो इन्हें यहाँ लाकर प्रवेश दिला गए। यहाँ सभी सुविधाओं से संतुष्ट नाथूलाल जी कहते हैं कि यहाँ लोग भी बड़े अच्छे हैं एवं मिलजुल कर रहते है। तारा संस्थान के दानदाताओं का श्री नाथूलाल जी आभार व्यक्त करते हैं।

श्री सुरेन्द्र केजरीवाल : पूना निवासी 69 वर्षीय श्री केजरीवाल एक बैंक की रिकवरी एजेंसी में नौकरी करते थे। उनके एक लड़का एवं लड़की है एवं शादीशुदा होकर दोनों बेंगलुरु में रहते है जब कि सुरेन्द्र जी स्वयं पूना में अकेले। इस वृद्धाश्रम के बारे में उन्हें टी.वी. के माध्यम से पता चला। यहाँ की सुविधाओं को "फैंटास्टिक" बताते हुए सुरेन्द्र जी कहते हैं कि किसी भी चीज की कमी नहीं है यहाँ। सुरेन्द्र जी तारा का बहुत आभार व्यक्त करते है।

श्री नर्बदा प्रसाद कुशवाहा : 61 वर्षीय नर्बदा प्रसाद जी सतना (म.प्र.) में टेन्ट हाउस चलाते थे फिर उम्र होने पर कारोबार पुत्रों को थमा दिया एवं बहू से नहीं पटने के कारण घर छोड़ कर यहाँ आ गए। 10–15 दिन से यहीं रह रहे हैं एवं लगता है स्वर्ग में आ गए हैं। इतनी अच्छी व्यवस्थाएँ कहाँ मिलती है भला? तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में जो सुविधाएँ हैं वे तो घर पर भी नहीं मिलती थी। धन्यवाद तारा संस्थान!

तारा संस्थान की मानवीय कल्याण प्रकल्प एवं दान सहयोग योजनाएँ

तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई एवं फरीदाबाद)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 02 ऑपरेशन - 6000 रु., 05 ऑपेरशन - 15000 रु., 07 ऑपरेशन - 21000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम (उदयपुर, इलाहाबाद एवं फरीदाबाद)

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।

गौरी योजना (विधवा महिलाओं को 1000 रुपये नकद प्रतिमाह)

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)
01 माह - 1000 रु., 03 माह - 3000 रु.,06 माह - 6000 रु., 01 वर्ष - 12000 रु.

तृप्ति योजना (बुजुर्गों के निवास पर जाकर हर माह राशन सामग्री व 300 रुपया)

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 माह - 1500 रु. , 03 माह - 4500 रु. , 06 माह - 9000 रु., 01 वर्ष - 18000 रु.

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर

मस्ती की पाठशाला

झुग्गी झोपड़ियों के कचरा बीनने वाले बच्चों को शिक्षित एवं सुसंस्कृत बनाने का एक प्रयास

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000/- प्रति वर्ष

न्यूज ब्रीफ :

एक और तारा नेत्रालय - लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.) में

अति–परोपकारी एवं उदारदिल श्री जे. पी. शर्मा, शिक्षाविद् दिल्ली ने लोनी (उ. प्र.) में प्रस्तावित तारा नेत्रालाय हेतु ज़मीन 20 जून को विधिवत दान देकर हाथों–हाथ 11 जुलाई को भूमी पूजन भी कर दिया ताकि भवन निर्माण का कार्य समय पर पूर्ण होकर वहां पर तारा नेत्रालय का कार्य यथाविधि आरम्भ हो जावे।

श्रद्धांजलि

लम्बे समय से तारा संस्थान के आनन्द वृद्धावासी रोहतास (बिहार) निवासी श्री रूपनारायण जी पाण्डे का बीमारी के पश्चात् एम.बी. अस्पताल, उदयपुर में 12 जुलाई, 2018 को लगभग 65 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। – तारा परिवार

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

B-SCAN
बी–स्केन

यह आँख की सोनोग्राफी मशीन है जो विशेष रूप से आँख के पर्दे की जाँच में उपयोग होती है। मोतियाबिन्द के जिन मरीजों में पर्दा नहीं दिख पाता तथा डायबिटीज, ब्लड प्रेशर एवं आँख की चोट में यह विशेष रूप से सहायक है।

कीमत रु. **9,00,000/-** (नौ लाख रुपए)

OPERATING MICROSCOPE
ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप

सामान्य भाषा में इसे दूरबीन कहते हैं। आधुनिक मोतियाबिन्द के ऑपरेशन में यह अतिआवश्यक है। इसके द्वारा आँख की कई गुना बड़ी इमेज बनती है जिससे की अति सूक्ष्म सर्जरी भी की जा सकती है।

कीमत रु. **8,38,000/-** (आठ लाख अड़तीस हजार रुपए)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन – 51000 रु.	09 ऑपरेशन – 27000 रु.	06 ऑपेरशन – 18000 रु.
03 ऑपरेशन – 9000 रु.	01 ऑपरेशन – 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच–चयन–शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर – 21000 रु.

चालीस जवानी का बुढ़ापा है, पचास बुढ़ापे की जवानी है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जुलाई – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

मनोहरी देवी बिंदल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) – दिल्ली, वर्द्धमान प्लाजा – दिल्ली,
हीरालाल मोहन देवी रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट – नई दिल्ली,
श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन (राम नारायण कृष्ण देवी जैन फाउण्डेशन – रजि.) – दिल्ली,
श्रीमती पुष्पा जैन जी पत्नि श्री महेन्द्र कुमार जैन जी – दिल्ली 92, स्व. श्रीमान् एम.पी. गुप्ता, पटपड़गंज, दिल्ली,
श्रीमती प्रेम जी निझावन – जनकपुरी, नई दिल्ली 58, श्रीमान् शान्तिलाल जैन, संजय जैन, अनिल जैन – दिल्ली

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : **सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद**
भागीरथ पब्लिक स्कूल, सेक्टर – 23, संजय नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 25 शिविर (देशभर में)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Hukam Chand Mittal & Family
Alwar (raj.)

Mrs. Sheela Devi - Mr. Shakti Singh Jaswal
Una - Himachal Pradesh

Mr. Gundappa Nigappa - Mrs. Vijay Bai
Mumbai (MH)

Mr. Ashok Kumar - Mrs. Aruna Khandelwal
Kota (Raj.)

Mr. Tej Kumar - Mrs. Sushila Sethi
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Parasmal - Lt. Mrs. Sundar Devi Mehta
Indore (M.P.)

Mr. Sajjan Kumar - Mrs. Saroj Devi Sahu
Sri Ganganagar (Raj.)

Mr. M.D. Sharma - Mrs. Nirmala Sharma
Shimla (H.P.)

Mr. Manohar Lal - Mrs. Shanta Bai Dhanolia
Devas Road, Ujjain (M.P.)

Mr. Amar Chand - Mrs. Pushpa Agrawal
Agra (U.P.)

Mrs. Dhan Laxmi - Mr. Laxmi Narayan Sharma
& Family, (Bhojoosar) Bikaner (Raj.)

Mr. Satya Narayan - Mrs. Savitri Devi Gupta
Jaipur (Raj.)

Mr. Janak Raj - Mrs. Prakesh Monga
Ferozepur Cantt (PB)

Lt. Mr. Ram C.
Bidichandani, Mumbai

Lt. Mr. Laxman C.
Bidichandani, Mumbai

Mrs. Vidhya Gautam
Shimla (H.P.)

Mr. Bimal Chand Dujari
Hyderabad

Mr. Aabadi Lakhani
Mumbai

Mr. Punam Chand Chauhan
Udaipur (Raj.)

Mr. Yash Pal Jain
Jalandhar (PB)

Mr. Omprakash Sukheja
Sri Ganganagar (Raj.)

Mr. Dharam Chand
New Delhi

Mr. Hanuman Prasad
Bishnoi, Muklawa (Raj.)

Prof. B.R. Sharma
Shimla (H.P.)

Mr. Basanti Lal Gaggal
Rampur - Shimla (H.P.)

Mrs. Sushila Gaggal
Rampur - Shimla (H.P.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती चन्द्रकला – श्री कैलाश चन्द्र चित्तौड़ा
गरडदा – बूंदी (राज.)

श्रीमती सावित्री देवी एवं श्री सत्य नारायण गुप्ता
जयपुर (राज.)

श्री मुरारी लाल पौद्दार
जयपुर (राज.)

श्री योगेश गोयल
कोरबा (छ.ग.)

श्री आदित्य पटेल
रायपुर (छ.ग.)

श्रीमती आशा – श्री मुकेश देवांगन
(छ.ग.)

"Heroes Come In All Types And Sizes"

जवानी में हम मुसीबतों के पीछे भागते हैं, बुढ़ापे में मुसीबतें हमारे पीछे।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai, Chennai
Cell : 07821855752

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491 .. IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank..... A/c No. 12731450000426.... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank ..... A/c No. 0169101056462 ..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India... A/c No. 3309973967 ..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank .. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank ..... A/c No. 065194600000284 .. IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अगस्त - 2018
प्रेषण तिथि - 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मिति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

- 'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे
- 'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे
- 'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे
- 'संस्कार चैनल' दोपहर 2:40 से 2:55 बजे

बुक पोस्ट

Tara तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org